बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-398
08/08/2020

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भवन निर्माण विभाग द्वारा क्रियान्वित 264 योजनाओं का उद्घाटन एवं 140 योजनाओं का किया शिलान्यास

- मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण विभाग द्वारा क्रियान्वित 1,725 करोड़ रुपये की 264 योजनाओं का उद्घाटन तथा 2,548 करोड़ रुपये की 140 योजनाओं का किया शिलान्यास।

- हमलोगों का उद्देश्य सिर्फ भवनों का निर्माण ही नहीं करना है बल्कि उसका मेंटेनेंस और साफ–सफाई भी सुनिश्चित कराना है। बेहतर भवनों का निर्माण तो कराया गया है, इसके मेंटेनेंस के लिये भी एक पॉलिसी लाई जाय।

- बिहार के लोगों ने जब से सेवा का मौका दिया है, हमलोगों ने विकास को अपना लक्ष्य माना है।

- सरकार में आने के बाद हमलोगों ने बंद हो रहे निगमों को न सिर्फ पुनर्जीवित किया बल्कि उसे कारगर भी बनाया।

- सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र स्टील स्ट्रक्चर द्वारा निर्मित है, जिसमें 22 हजार मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है, जो फ्रांस के पेरिस में बने एफिल टावर के निर्माण में लगाये गये स्टील से भी ज्यादा है।

- सभी विभाग अपने अभियंताओं को गाइडलाइन जारी करें कि निर्माण कार्य के वक्त कार्य कर रहे सभी मास्क का जरूर प्रयोग करें और अगर किसी के पास मास्क नहीं है तो अपनी तरफ से वितरित करायें।

पटना, 08 अगस्त 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 1 अणे मार्ग स्थित नेक संवाद से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भवन निर्माण विभाग द्वारा क्रियान्वित 28 विभागों की 1,725

करोड़ रुपये की 264 योजनाओं का उद्घाटन तथा 2,548 करोड़ रुपये की 140 योजनाओं का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भवन निर्माण विभाग द्वारा क्रियान्वित विभिन्न विभागों की कई योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया है। इसके लिये सभी को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि जिन्हें 15 वर्षों तक शासन करने का मौका मिला उनके समय में विकास कार्य की क्या स्थिति थी, ये सभी लोग जानते हैं। उनके कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2004–05 में भवन निर्माण से संबंधित सिर्फ 22 करोड़ 53 लाख रुपये का बजट में प्रावधान किया गया था। इससे निर्माण कार्य का अंदाजा आप लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब से बिहार के लोगों ने सेवा का मौका दिया है हमलोगों ने विकास को अपना लक्ष्य माना है। न्याय के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। न्याय के साथ विकास का मतलब है हर इलाके का विकास और समाज के हर तबके का विकास। स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में कई विकासात्मक कार्य किये गये। साथ ही कानून का राज भी कायम किया गया। भवनों के निर्माण के साथ–साथ उन्नत सड़कों का भी निर्माण कराया गया, स्कूलों की बेहतर बिल्डिंग बनाई गई। सरकार में आने के बाद हमलोगों ने बंद हो रहे निगमों को न सिर्फ पुनर्जीवित किया बल्कि उसे कारगर भी बनाया। पुलिस से संबंधित भवनों के निर्माण बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड के द्वारा कराया जाने लगा। बिहार चिकित्सा सेवायें एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के द्वारा न सिर्फ स्वास्थ्य विभाग की बिल्डिंग बनाई गई बल्कि दवा एवं जरूरी उपकरणों की आपूर्ति भी कराई जाने लगी। शिक्षा विभाग के निगम के द्वारा स्कूल कॉलेज के बेहतर भवन बनाये जाने लगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर में इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर का बेहतर निर्माण करने के साथ उसका मेंटेनेंस भी किया जाने लगा। उसके बाद से बनने वाले सारे भवनों के बेहतर निर्माण के साथ–साथ उसके मेंटेनेंस पर भी ध्यान दिया जाने लगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर का भव्य बिहार म्यूजियम बनाया गया, जिसे देश के बाहर के लोग भी आकर देखते हैं। पहले से बने पटना म्यूजियम का भी एक्सटेंशन कराया जा रहा है, जिसमें कई ऐतिहासिक वस्तुओं को और बेहतर तरीके से रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारी इच्छा है कि पटना म्यूजियम एवं बिहार म्यूजियम को अंडरग्राउंड माध्यम से जोड़ा जाय। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र बनाया गया, जिसमें ज्ञान भवन और 5 हजार की क्षमता का बापू सभागार भी सुंदर एवं भव्य बनाया गया। इस परिसर में सम्राट अशोक की सांकेतिक मूर्ति भी लगाई गई है। सभ्यता द्वार भी बनाया गया है। सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र स्टील स्ट्रक्चर से निर्मित है, इसमें 22 हजार मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है, जो फ्रांस के पेरिस में बने एफिल टावर के निर्माण में लगाये गये स्टील से भी ज्यादा है। हमलोगों का उद्देश्य है कि सुंदर, भव्य और टिकाऊ भवनों का निर्माण हो। सरदार पटेल भवन 9 रिक्टर पैमाने वाले भूकंप की स्थिति में भी पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। इस भवन के निर्माण में बेहतर तकनीक का प्रयोग किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों का उद्देश्य सिर्फ भवनों का निर्माण ही नहीं करना है बल्कि उसका मेंटेनेंस और साफ–सफाई भी सुनिश्चित कराना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि आज आई0जी0आई0सी0 के नये भवन का उद्घाटन हुआ है, यह आमलोगों के हृदय रोग के इलाज के लिये काफी महत्वपूर्ण संस्था है। मुझे उम्मीद है स्वास्थ्य विभाग इसके मेंटेनेंस पर ध्यान देगा। प्रकाश पुंज के बने नये भवन का भी उद्घाटन हुआ है। पटना साहिब के मालसलामी में एक सामुदायिक भवन के निर्माण का शिलान्यास किया गया है, जिसे अन्य सामजिक कार्यों में उपयोग के साथ–साथ प्रकाश पर्व में आने वाले श्रद्धालुओं के लिये एक माह तक की इसकी बुकिंग भी होगी ताकि श्रद्धालुओं को सहुलियत हो। ग्रामीण विकास विभाग के कई ब्लॉक ऑफिस के 272 करोड़ रुपये की योजनाओं

का उद्घाटन हुआ है, श्रम संसाधन विभाग की 187.89 करोड़ रुपये की योजनाओं के उद्घाटन के साथ–साथ अन्य विभागों की योजनाओं का भी शिलान्यास एवं कार्यारंभ किया गया है। 263 करोड़ रुपये की लागत से बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के परीक्षा केन्द्र के निर्माण का शिलान्यास किया गया है। बिहटा में 250 करोड़ रुपये की लागत से डेवलपमेंट मैनेजमेंट इंस्टीच्यूट का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि बापू सभागार स्थिति बापू कला दीर्घा का भी आज लोकार्पण किया गया है, जिसमें विभिन्न कलाकारों की कलाकृति प्रदर्शित की गई है। श्री शिवपूजन सहाय जी की जन्म तिथि की पूर्व संध्या पर उनकी मूर्ति का भी अनावरण एवं लोकार्पण किया गया है। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के अंतर्गत 1,000 लाभुकों को अनुदान राशि तथा वाहन का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि हर ग्राम पंचायत से 5 लोगों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है, जिसमें 3 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हैं तथा अति पिछड़ा वर्ग के हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार पंचायतवार लाभुकों की संख्या भी बढ़ायी जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पथ निर्माण एवं ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों का बेहतर निर्माण करने के साथ–साथ उनके मेंटेनेंस के लिये पॉलिसी बनाई गई है, इसे लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के दायरे में लाया गया है। उन्होंने कहा कि मेरा अनुरोध है कि बेहतर भवनों का निर्माण तो कराया गया है, इसके मेंटेनेंस के लिये भी एक पॉलिसी लाई जाय। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019–20 में भवन निर्माण विभाग के द्वारा 2,650 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई। इस वर्ष कोविड–19 के कारण कुछ कार्य बाधित हुआ है लेकिन 20 अप्रैल से निर्माण कार्यों में तेजी आयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–19 से निपटने के लिये सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। ज्यादा से ज्यादा संख्या में करोना संक्रमितों की जांच की जा रही है। उत्तर बिहार बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित है। पिछले 3 दिनों से हवाई सर्वेक्षण के साथ–साथ जमीनी स्तर पर भी मैंने खुद जाकर जायजा लिया है और लोगों को राहत देने के सभी जरूरी कदम उठाये गये हैं। उन्होंने कहा कि कारोना संक्रमण से बचाव के लिये सभी को मास्क का प्रयोग करना जरूरी है। कार्य करते वक्त भी सभी मास्क का प्रयोग करें। सभी विभाग अपने अभियंताओं को इसके लिये गाइडलाइन जारी करें कि निर्माण कार्य के वक्त सभी मास्क का जरूर प्रयोग करें और अगर किसी के पास नहीं है तो अपनी तरफ से वितरण करायें। मुख्यमंत्री ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े सभी मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि कोविड–19 महामारी से एवं बाढ़ प्रभावितों को राहत देने के लिये एकजुट होकर कार्य करें।

कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, भवन निर्माण विभाग के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, भवन निर्माण विभाग के संयुक्त सचिव श्री अमित कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संबंधित विभागों के मंत्रीगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, जिलों के जिलाधिकारी एवं वरीय अभियंतागण जुड़े हुये थे।

******